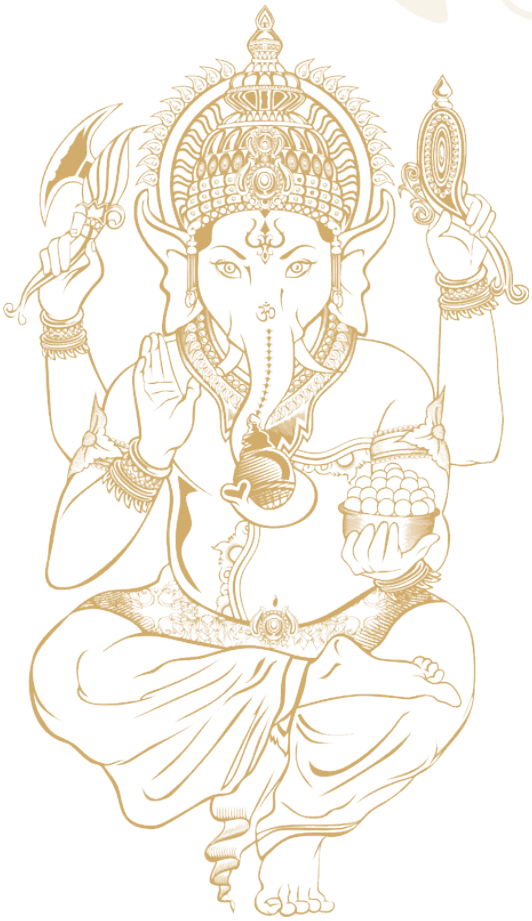

Mr.moksh dhawan

Ms.zeel davda

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120467801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120467801 Date: 08/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/05/2001	जन्म तिथि	16/02/2002
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	16:25:00 घंटे
घटी 06:29:10	जन्म समय(घटी)	23:25:11 घटी
India	देश	India
Pehowa	स्थान	Mumbai
29:57:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
76:39:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:24	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:20	सूर्योदय	07:06:44
19:01:43	सूर्यास्त	18:38:59
23:52:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:56
मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
सिंह	राशि	मीन
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	रेवती
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	1
ध्रुव	योग	साध्य
वणिज	करण	विष्टि
टी-टीकम	जन्म नामाक्षर	दे-देविका
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	गज
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 9वर्ष 0मा 3दि		00:00:46	मिथु	लग्न	कर्क	04:15:25	बुध 14वर्ष 4मा 22दि	
चन्द्र		18:52:07	मेष	सूर्य	कुंभ	03:42:28	शुक्र	
06/05/2016		20:39:37	सिंह	चंद्र	मीन	18:42:36	11/07/2023	
07/05/2026		04:44:33	धनु	मंगल	मीन	26:43:37	11/07/2043	
चन्द्र	06/03/2017	00:00:51	वृष	बुध	मक	07:49:11	शुक्र	09/11/2026
मंगल	06/10/2017	20:04:20	वृष	गुरु व	मिथु	12:01:40	सूर्य	09/11/2027
राहु	06/04/2019	10:33:46	मीन	शुक्र	कुंभ	11:37:46	चन्द्र	10/07/2029
गुरु	05/08/2020	07:37:12	वृष	शनि	वृष	14:12:56	मंगल	09/09/2030
शनि	07/03/2022	14:05:17	मिथु व	राहु व	मिथु	00:54:36	राहु	09/09/2033
बुध	06/08/2023	14:05:17	धनु व	केतु व	धनु	00:54:36	गुरु	10/05/2036
केतु	06/03/2024	00:40:48	कुंभ	हर्ष	कुंभ	01:05:44	शनि	11/07/2039
शुक्र	05/11/2025	14:53:22	मक	नेप	मक	15:17:11	बुध	11/05/2042
सूर्य	07/05/2026	20:51:58	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:27:21	केतु	11/07/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:14 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:56

लग्न-चलित

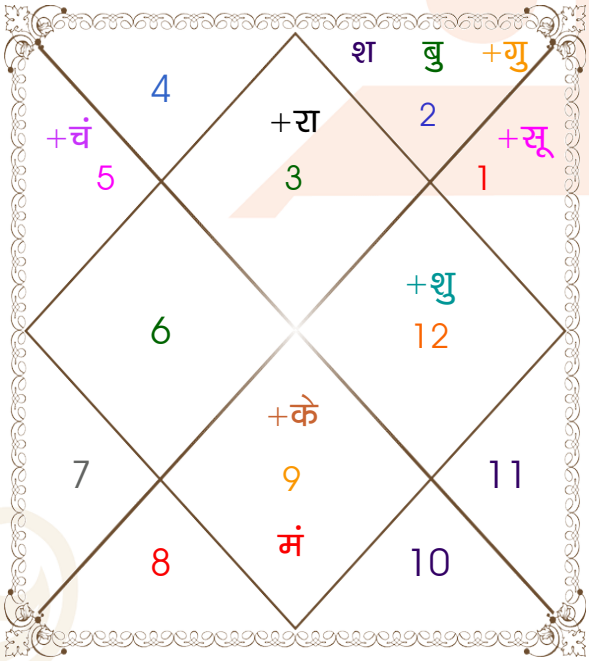

लग्न-चलित

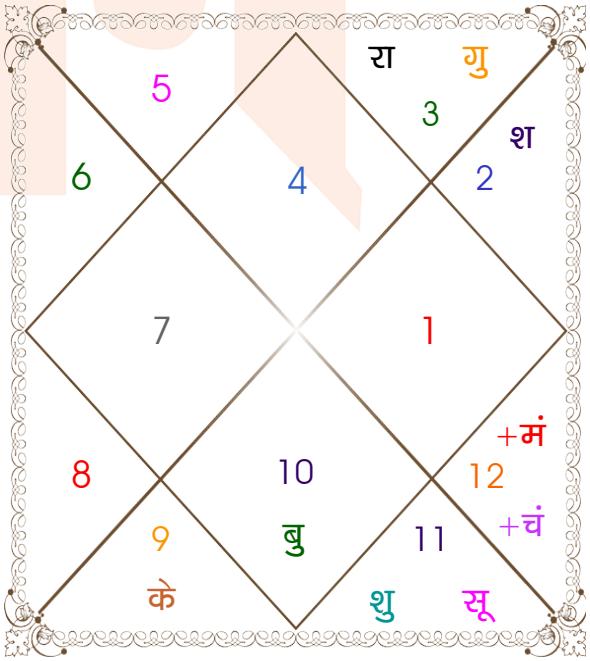

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

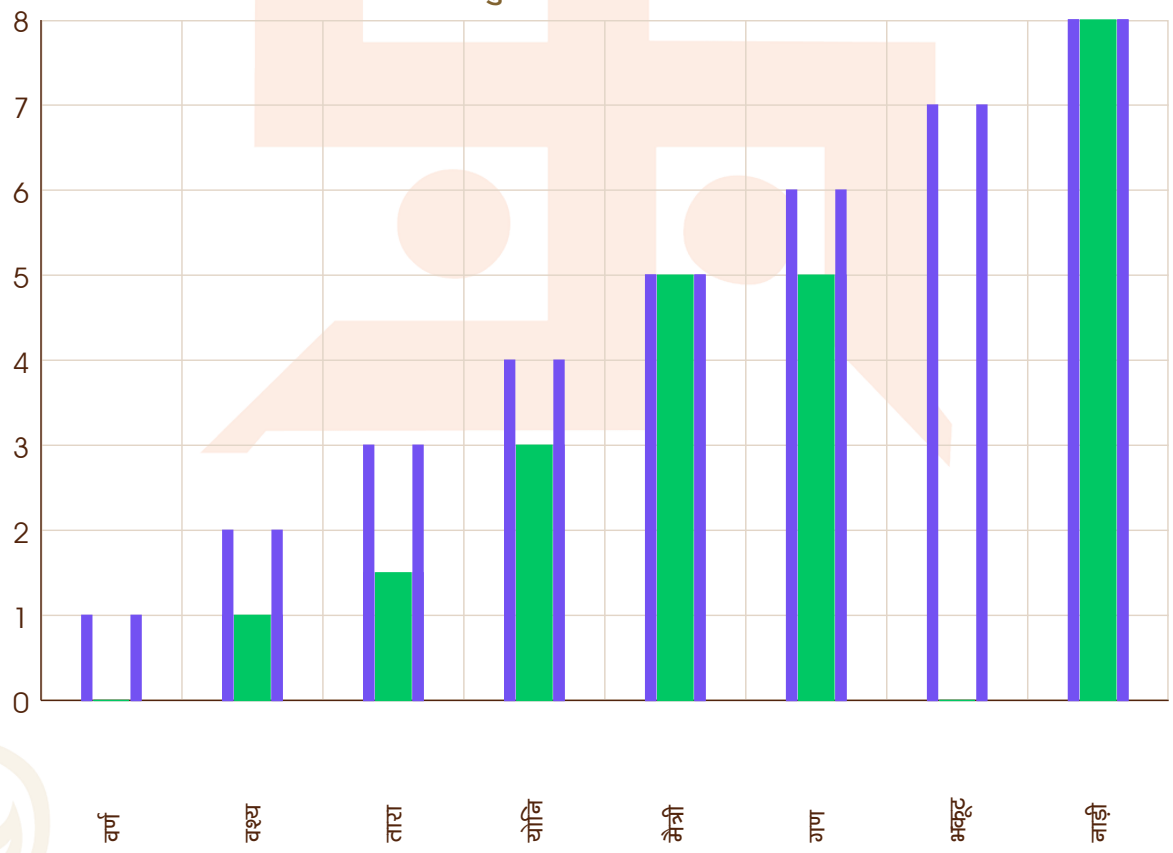

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्उवोी कीूंद का वर्ग श्वान है तथा डेप्रममस कंअकं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्उवोी कीूंद और डेप्रममस कंअकं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्उवोी कीूंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

डेप्रममस कंअकं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेप्रममस कंअकं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्उवोी कीूंद तथा डेप्रममस कंअकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्उवोी कींूद का वर्ण क्षत्रिय तथा डेप्रममस कंअकं का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही डेप्रममस कंअकं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना डतण्उवोी कींूद एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

डतण्उवोी कींूद का वश्य वनचर है एवं डेप्रममस कंअकं का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। दोनों एक-दूसरे के प्रति उदासीन रहेंगे तथा अपनी इच्छानुसार दोनों अपना जीवन निर्वाह करते रहेंगे। वनचर डतण्उवोी कींूद एवं जलचर डेप्रममस कंअकं के बीच वैवाहिक संबंध करने से उनका वैवाहिक जीवन औसत ही माना जायेगा अर्थात न ही अच्छा और न ही बुरा। यद्यपि कि दोनों एक-दूसरे का ख्याल नहीं रखेंगे फिर भी अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन भली-भांति करते रहेंगे। इनका जीवन सामान्यतः नीरस ही रहेगा क्योंकि प्रेम एवं रोमांस के तत्व इनके जीवन से अनुपस्थित ही रहने वाले हैं।

तारा

डतण्उवोी कींूद की तारा विपत तथा डेप्रममस कंअकं की तारा मित्र है। डतण्उवोी कींूद की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्उवोी कींूद एवं डतण्उवोी कींूद के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि डेप्रममस कंअकं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर डेप्रममस कंअकं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

डतण्उवोी कींूद की योनि मूषक है तथा डेप्रममस कंअकं की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्उवोी कींूद का गण मनुष्य तथा डेप्रममस कंअकं का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में डेप्रममस कंअकं सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर डतण्उवोी कींूद व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण डतण्उवोी कींूद अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

डतण्उवोी कींूद से डेप्रममस कंअकं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा डेप्रममस कंअकं से डतण्उवोी कींूद की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। डतण्उवोी कींूद शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर डेप्रममस कंअकं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

डतण्उवोी कींूद की नाड़ी मध्य है तथा डेप्रममस कंअकं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्उवोी कींूद की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा डेप्रममस कंअकं की राशि जलतत्व युक्त मीन है। अग्नि एवं जलतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण डतण्उवोी कींूद एवं डेप्रममस कंअकं की स्वाभाविक प्रवृतियों में अंतर रहेगा जिससे परस्पर संबधों में मधुरता के भाव में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

डतण्उवोी कींूद की राशि का स्वामी सूर्य तथा डेप्रममस कंअकं की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र राशि में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव से डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं के आपसी संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण, समर्पण एवं सहयोग के भाव की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे की गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इन प्रवृतियों के कारण डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं का वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

डतण्उवोी कींूद की राशि तथा डेप्रममस कंअकं की राशि परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं के उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा परस्पर अनावश्यक मतभेद, वैमनस्य तथा विरोध का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके वे कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे समय समय पर कलह होता रहेगा तथा परिवार में अशांति रहेगी। अतः डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

डतण्उवोी कींूद का वश्य वनचर तथा डेप्रममस कंअकं का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक अंतर भी समान रहेगा। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

डतण्उवोी कींूद का वर्ण क्षत्रिय तथा डेप्रममस कंअकं का वर्ण ब्राह्मण है । अतः डतण्उवोी कींूद की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो में रहेगी । डेप्रममस कंअकं शैक्षणिक क्षेत्र, शास्त्रीय या धार्मिक कार्यो के प्रति रूचिशील रहेंगी जिससे डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं के कार्य क्षेत्र में नित्य उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे ।

धन

डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्उवोी कींूद मध्य नाड़ी तथा डेप्रममस कंअकं अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु डेप्रममस कंअकं के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। डेप्रममस कंअकं सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए डेप्रममस कंअकं को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेप्रममस कंअकं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेप्रममस कंअकं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेप्रममस कंअकं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्उवोी कींूद और डेप्रममस कंअकं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेप्ममस कंअकं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि डेप्ममस कंअकं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से डेप्ममस कंअकं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी डेप्ममस कंअकं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी डेप्ममस कंअकं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

डतण्उवीं कींद तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतण्उवीं कींद के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतण्उवीं कींद को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतण्उवीं कींद के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण्उवीं कींद के प्रति अनुकूल ही रहेगा।